The Hindu Plus Summary : 22.01.2024

मेन्स मास्टर

लोकतांत्रिक पथभ्रष्टता: राज्य द्वारा एफसीआरए को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने पर

प्रसंग:

• भारत सरकार ने प्रसिद्ध थिंक टैंक सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआर) का एफसीआरए लाइसेंस रद्द कर दिया।

• औचित्य: सीपीआर के प्रकाशनों को समाचार रिपोर्टिंग के बराबर माना गया, जो एफसीआरए फंड के तहत निषिद्ध है।

चिंताओं:

• स्वतंत्र भाषण: यह कदम असहमति और ज्ञान साझा करने को रोकता है, भारत को अलग-अलग विचारों के प्रति असहिष्णु के रूप में चित्रित करता है।

• लक्षित दमन: यह मानवाधिकार और पर्यावरण जैसे संवेदनशील मुद्दों पर गैर सरकारी संगठनों और कार्यकर्ताओं को चुप कराने के लिए एफसीआरए का उपयोग करने के पैटर्न के अनुरूप है।

• ऐतिहासिक बोझ: आपातकाल के दौरान अधिनियमित एफसीआरए, संशोधनों के माध्यम से तेजी से प्रतिबंधात्मक बन गया है।

• अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया: न्यायविदों के अंतर्राष्ट्रीय आयोग ने नागरिक समाज में बाधा डालने के लिए एफसीआरए संशोधनों की आलोचना की।

नतीजे:

• वैश्विक आकांक्षाओं का टकराव: "विश्वगुरु" और "लोकतंत्र की जननी" के रूप में भारत की छवि असहमति के दमन से टकराती है।

• डेमोक्रेटिक बैकस्लाइडिंग: एफसीआरए लाइसेंस रद्द करने जैसी कार्रवाइयां स्वतंत्रता और लोकतंत्र के प्रति भारत की घटती प्रतिबद्धता की कहानी में योगदान करती हैं। फ्रीडम हाउस का लोकतंत्र सूचकांक नागरिक स्वतंत्रता के क्षरण का हवाला देते हुए भारत को "चुनावी निरंकुशता" में बदल देता है।

• रैंकिंग में गिरावट: ये कार्रवाइयां वैश्विक स्वतंत्रता और लोकतंत्र सूचकांकों में भारत की रैंकिंग को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं।

आउटलुक:

• इससे भारत में असहमति और स्वतंत्र आवाजों के लिए कम होती जगह के बारे में चिंताजनक चिंताएं पैदा होती हैं।

• भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करना और विविध आवाजों के पनपने के लिए माहौल को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है।

पोस्ट ऑफिस एक्ट, इसकी अवरोधन की बेलगाम शक्तियां

प्रसंग:

• भारत ने हाल ही में दो नए कानून पारित किए: डाकघर विधेयक, 2023 और दूरसंचार विधेयक, 2023, पुराने अधिनियमों की जगह।

• दोनों कानून अधिकारियों को मेल और संचार को बाधित करने की शक्ति प्रदान करते हैं, जिससे संभावित दुरुपयोग के बारे में चिंताएं बढ़ जाती हैं।

चिंताओं:

• डाकघर बिल:

  ◦ दूरसंचार विधेयक के विपरीत, जिसमें मौजूदा नियमों से सुरक्षा उपाय शामिल हैं, अवरोधन के लिए प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों का अभाव है।

  ◦ "आपातकाल" की अस्पष्ट परिभाषा व्यापक व्याख्या और संभावित दुरुपयोग की अनुमति देती है।

  ◦ अवरोधन संविधान के अनुच्छेद 21 द्वारा गारंटीकृत व्यक्तिगत गोपनीयता में हस्तक्षेप करता है।

• दूरसंचार विधेयक:

  ◦ जबकि सुरक्षा उपाय मौजूद हैं, वे अधिकारियों द्वारा मनमानी कार्रवाई के लिए जगह छोड़ते हैं।

  ◦ अवरोधन शक्तियों के दुरुपयोग के लिए जवाबदेही का अभाव।

ऐतिहासिक संदर्भ:

• सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने टेलीग्राफ अधिनियम जैसे पुराने कानूनों के तहत अवरोधन के लिए सुरक्षा उपाय स्थापित किए हैं।

• इन सुरक्षा उपायों के लिए अवरोधन के लिए औचित्य की आवश्यकता होती है और इसके दायरे को सीमित किया जाता है।

सिफ़ारिशें:

• सरकार को डाकघर विधेयक में अवरोधन के लिए प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों को स्पष्ट और मजबूत करना चाहिए।

• अवरोधन शक्तियों के मनमाने उपयोग को रोकने के लिए "आपातकाल" की स्पष्ट परिभाषा की आवश्यकता है।

• अवरोधन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को दुरुपयोग के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

अस्थिर भूराजनीति के बीच आईएमईसी विचार का पुनरुद्धार

मुख्य केन्द्र:

• चल रहे यमन संघर्ष के कारण जहाजरानी जहाज़ पूर्व-पश्चिम व्यापार के लिए स्वेज़ नहर के वैकल्पिक मार्गों पर विचार कर रहे हैं।

• यह गाजा युद्ध के कारण हुए हालिया झटके के बावजूद, एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के मामले को मजबूत करता है।

• पश्चिम एशिया में जटिल भू-राजनीतिक परिदृश्य, विशेष रूप से अरब देशों और इज़राइल के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण आलोचक IMEC की व्यवहार्यता के बारे में संशय में रहते हैं।

• आईएमईसी के विभिन्न हितधारकों के लिए कई संभावित लाभ हैं:

  ◦ भारत: रेल और सड़क के माध्यम से बेहतर कंटेनरीकरण, रसद लागत को कम करना और राष्ट्रीय रसद नीति के साथ संरेखित करना।

  ◦ खाड़ी देश: पाइपलाइनों के माध्यम से जीवाश्म ईंधन-आधारित हाइड्रोजन के परिवहन द्वारा हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था में निरंतर प्रासंगिकता।

  ◦ संयुक्त राज्य अमेरिका: वैश्विक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में "व्यवसाय-केंद्रित" ट्रम्प प्रशासन के हितों के साथ तालमेल।

• आईएमईसी के लिए प्रमुख चुनौतियों में शामिल हैं:

  ◦ भूराजनीतिक तनाव: तुर्की का बहिष्कार और इराक के माध्यम से उसका प्रस्तावित वैकल्पिक मार्ग।

  ◦ इज़राइली बंदरगाहों की सीमित क्षमता: हाइफ़ा का वर्तमान कंटेनर यातायात यूरोप के लिए भारत का प्राथमिक प्रवेश द्वार बनने के लिए अपर्याप्त है।

  ◦ अनिश्चित प्रतिबद्धता: दीर्घकालिक अमेरिकी भागीदारी और फंडिंग के बारे में संदेह।

• संभावित समाधान और अवसर:

  ◦ संभावित रूप से भारत के अदानी पोर्ट्स और इज़राइल के बीच सहयोग से हाइफ़ा बंदरगाह की क्षमता का विस्तार।

  ◦ हाइफ़ा के मॉडल के रूप में कोलंबो बंदरगाह के लिए अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय विकास वित्त निगम के वित्तपोषण का उपयोग करना।

  ◦ भू-राजनीतिक चिंताओं को दूर करने के लिए अंततः तुर्की को परियोजना में लाना।

कुल मिलाकर:

यमन संघर्ष वैश्विक व्यापार के लिए स्वेज नहर पर पूरी तरह निर्भर रहने की असुरक्षा को उजागर करता है, जिससे आईएमईसी जैसे वैकल्पिक मार्ग अधिक आकर्षक हो जाते हैं। हालाँकि, क्षेत्रीय राजनीतिक जटिलताओं और तार्किक सीमाओं के कारण IMEC को महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इन बाधाओं पर काबू पाने के लिए इसमें शामिल सभी हितधारकों के समन्वित प्रयासों और नवीन समाधानों की आवश्यकता होगी।

प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग के लिए निःशुल्क पहुंच की आवश्यकता है

प्रसंग:

• शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) 2023 से पता चलता है कि भारत में 14-18 वर्ष के बच्चों (92%) के बीच बड़े पैमाने पर स्मार्टफोन का उपयोग होता है।

हालाँकि, स्वामित्व लिंग के आधार पर काफी भिन्न होता है, लड़कों (44%) के पास लड़कियों (20%) की तुलना में कहीं अधिक फ़ोन होते हैं।

मुक्य निष्कर्ष:

• स्वामित्व की परवाह किए बिना स्मार्टफोन तक पहुंच, बुनियादी जानकारी ब्राउज़ करने और बुनियादी कौशल सीखने की अनुमति देती है।

• स्वामित्व प्रौद्योगिकी के साथ गहरे जुड़ाव को खोलता है, वीडियो साझाकरण, सुरक्षा सुविधाओं के उपयोग और सेवाओं तक पहुंच जैसी गतिविधियों को सक्षम बनाता है।

• व्हाट्सएप और यूट्यूब जैसे मनोरंजन ऐप प्रौद्योगिकी के उपयोग को सीखने और बुनियादी कौशल में लिंग अंतर को कम करने के लिए मजबूत प्रेरक के रूप में काम करते हैं।

• स्वामित्व की परवाह किए बिना स्कूल का उपयोग लड़कों और लड़कियों के बीच अपेक्षाकृत बराबर रहता है, यह सुझाव देता है कि स्मार्टफोन का उपयोग वर्तमान पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए सीमित प्रत्यक्ष लाभ प्रदान करता है।

• सामाजिक बाधाएँ व्यावसायिक लेनदेन और सेवाओं तक पहुँचने जैसी कुछ ऑनलाइन गतिविधियों में लड़कियों की पूर्ण भागीदारी में बाधा डालती हैं।

• प्रथम का प्रयोग प्रेरित पहुंच प्रदान किए जाने पर स्पष्ट शिक्षण के बिना प्रौद्योगिकी सीखने की बच्चों की मजबूत क्षमता को प्रदर्शित करता है।

• प्राथमिक बाधा के रूप में सामाजिक बाधाओं को उजागर करते हुए, अप्रतिबंधित पहुंच दिए जाने पर लड़कियां प्रौद्योगिकी के उपयोग में लड़कों के समान ही अच्छा प्रदर्शन करती हैं।

प्रमुख चिंताएँ:

• सीमित स्वामित्व लड़कियों की गहन शिक्षा और प्रौद्योगिकी के साथ जुड़ाव की क्षमता को प्रतिबंधित करता है।

• सामाजिक बाधाएं लड़कियों की शिक्षा और विकास के लिए स्मार्टफोन का पूरी तरह से उपयोग करने की क्षमता को असंगत रूप से प्रभावित करती हैं।

• वर्तमान शैक्षणिक सामग्री प्रभावी शिक्षण के लिए स्मार्टफोन की क्षमता का लाभ नहीं उठाती है।

आगे बढ़ने का रास्ता:

• संभवतः सब्सिडी वाले कार्यक्रमों या साझेदारी के माध्यम से लड़कियों के लिए किफायती स्मार्टफोन तक समान पहुंच को बढ़ावा देना।

• विशेष रूप से स्मार्टफ़ोन के लिए डिज़ाइन किए गए शैक्षिक ऐप्स और सामग्री विकसित करना और सीखने के उद्देश्यों के साथ संरेखित करना।

जागरूकता अभियानों के माध्यम से सामाजिक बाधाओं को दूर करना और लड़कियों के प्रौद्योगिकी उपयोग के लिए माता-पिता के समर्थन को प्रोत्साहित करना।
• प्रौद्योगिकी को शिक्षण विधियों में एकीकृत करना और कक्षाओं में इसके रचनात्मक उपयोग को प्रोत्साहित करना।
• प्रथम के प्रयोग जैसी पहल से सीखना, ऐसे वातावरण बनाना जहां बच्चे प्रौद्योगिकी के साथ स्व-निर्देशित शिक्षार्थी बन सकें।
समग्र आउटलुक:
स्मार्टफोन की व्यापक पहुंच भारत में शिक्षा और विकास के लिए एक जबरदस्त अवसर प्रस्तुत करती है। हालाँकि, स्वामित्व अंतर को पाटना और सामाजिक बाधाओं पर काबू पाना, विशेष रूप से लड़कियों के लिए, इस क्षमता को अधिकतम करने के लिए महत्वपूर्ण है। न्यायसंगत पहुंच, प्रासंगिक सामग्री और नवीन शिक्षाशास्त्र पर ध्यान केंद्रित करके, भारत अपने शिक्षा परिदृश्य को बदलने और भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठा सकता है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष क्यों फैल रहे हैं?

प्रसंग:
• गाजा में इज़राइल-हमास युद्ध एक व्यापक क्षेत्रीय सुरक्षा संकट में बदल गया है, जिसमें कई राज्य और गैर-राज्य अभिनेता शामिल हैं।
• हिजबुल्लाह, हौथिस, ईरान समर्थित मिलिशिया और यहां तक कि इस्लामिक स्टेट भी इजरायल, अमेरिकी हितों और अन्य क्षेत्रीय खिलाड़ियों को निशाना बनाते हुए मैदान में शामिल हो गए हैं।
मुख्य खिलाड़ी:
• इज़राइल: अमेरिकी समर्थन से हमास पर प्रतिशोधपूर्ण युद्ध, जिसका उद्देश्य हमास को नष्ट करना और बंधकों को रिहा करना है।
• ईरान: इसराइल विरोधी तत्वों का मुख्य समर्थक, अपनी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने और क्षेत्र में अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है।
• अमेरिका: इज़राइल और अमेरिकी हितों की रक्षा करना, पश्चिम एशिया में अमेरिका के नेतृत्व वाली व्यवस्था को बनाए रखने का प्रयास करना।
ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:
पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट को इसकी ऐतिहासिक जड़ों को स्वीकार किए बिना पूरी तरह से नहीं समझा जा सकता है। इज़राइल और फ़िलिस्तीन के बीच दशकों से चले आ रहे संघर्ष, साथ ही ईरान और सऊदी अरब के बीच क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता ने वर्तमान वृद्धि की नींव रखी है। अनसुलझा फिलिस्तीनी मुद्दा पूरे क्षेत्र में इजरायल विरोधी भावना को बढ़ावा देता है, जिससे ईरान के हिजबुल्लाह और हमास जैसे छद्म समूहों के लिए उपजाऊ जमीन मिलती है। इसके अतिरिक्त, 2003 में इराक पर अमेरिकी आक्रमण और उसके बाद आईएसआईएस के उदय ने इस क्षेत्र को और अस्थिर कर दिया और ईरान को सशक्त बना दिया।

भारत पर प्रभाव:
• ऊर्जा सुरक्षा: भारत पश्चिम एशिया से तेल आयात पर बहुत अधिक निर्भर है, और चल रहे संघर्ष से आपूर्ति श्रृंखला की स्थिरता को खतरा है और कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है।
• व्यापार: हौथी हमलों के कारण लाल सागर जैसे शिपिंग मार्गों में व्यवधान क्षेत्र के देशों के साथ भारत के व्यापार को प्रभावित कर सकता है।
• प्रवासी सुरक्षा: बिगड़ती सुरक्षा स्थिति से खाड़ी क्षेत्र में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी प्रभावित हो सकते हैं।
• क्षेत्रीय स्थिरता: एक व्यापक पश्चिम एशियाई संघर्ष पड़ोसी पाकिस्तान और अफगानिस्तान को अस्थिर कर सकता है, जिससे भारत के सुरक्षा हितों पर और असर पड़ेगा।

भारत के लिए आगे का रास्ता:
• सक्रिय कूटनीति: भारत को संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की वकालत करने के लिए इज़राइल और अरब दुनिया दोनों के साथ अपने मजबूत संबंधों का लाभ उठाना चाहिए।
• ऊर्जा विविधीकरण: भारत को अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने और पश्चिम एशिया से तेल आयात पर अपनी निर्भरता कम करने की आवश्यकता है।
• समुद्री सुरक्षा: हिंद महासागर में शिपिंग मार्गों को सुरक्षित करने के लिए भारत की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाना महत्वपूर्ण है।
• क्षेत्रीय सहयोग: भारत को पश्चिम एशिया में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए चीन और रूस जैसी अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के साथ काम करना चाहिए।
• आर्थिक साझेदारी: मौजूदा उथल-पुथल के बावजूद, भारत पश्चिम एशियाई देशों के साथ आर्थिक साझेदारी के अवसर तलाश सकता है, खासकर बुनियादी ढांचे और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में।
क्षेत्रीय सुरक्षा पर प्रभाव:
• अस्थिरता और वृद्धि: यह बहुकेंद्रित संकट पारंपरिक राज्य-दर-राज्य संघर्षों को पार करता है, जो जटिल चुनौतियाँ पैदा करता है।
• पुरानी व्यवस्था ढह रही है: अमेरिकी प्रभुत्व कम हो रहा है, ईरान समर्थित अभिनेताओं की हिम्मत बढ़ रही है, अरब सहयोगी निराश हैं।
• अस्पष्ट रास्ता: इजराइल द्वारा गाजा युद्ध को जल्द समाप्त करने की संभावना नहीं है, जिससे हिजबुल्लाह, हौथिस और अन्य के हमलों को बढ़ावा मिल रहा है।

क्षेत्रीय सुरक्षा पर प्रभाव:

• अस्थिरता और वृद्धि: यह बहुकेंद्रित संकट पारंपरिक राज्य-दर-राज्य संघर्षों को पार करता है, जो जटिल चुनौतियाँ पैदा करता है।

• पुरानी व्यवस्था ढह रही है: अमेरिकी प्रभुत्व कम हो रहा है, ईरान समर्थित अभिनेताओं की हिम्मत बढ़ रही है, अरब सहयोगी निराश हैं।

• अस्पष्ट रास्ता: इजराइल द्वारा गाजा युद्ध को जल्द समाप्त करने की संभावना नहीं है, जिससे हिजबुल्लाह, हौथिस और अन्य के हमलों को बढ़ावा मिल रहा है।

समग्र आउटलुक:

• अत्यधिक अस्थिर और अप्रत्याशित स्थिति जिसका कोई तत्काल समाधान नजर नहीं आता।

• पूरे क्षेत्र में इसके और अधिक बढ़ने और प्रभाव फैलने की संभावना।

• अराजकता के बीच सऊदी-ईरान हिरासत और सऊदी-हौथी शांति एक नाजुक आशा की किरण है।

प्रीलिम्स बूस्टर

संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि सूडान के एक शहर में जातीय हत्याओं में 15,000 लोग मारे गए

😞 अर्धसैनिक बलों और सहयोगी मिलिशिया की भागीदारी से सूडान के पश्चिम दारफुर में कथित तौर पर 10,000 से 15,000 लोग मारे गए।

🌍 संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) को सैन्य सहायता प्रदान करने में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को शामिल किया गया है।

🛑 यूएई ने सूडानी युद्ध शरणार्थियों को मानवीय सहायता वितरण और उनके प्रयासों को देखने के लिए संयुक्त राष्ट्र के मॉनिटरों को आमंत्रित करते हुए इन दावों का खंडन किया है।

- ⚠️ सूडानी संघर्ष में बाहरी भागीदारी की जटिल गतिशीलता और संभावित परिणामों के बारे में चिंताएं उत्पन्न होती हैं।

समाचार में मंदिर

- 🛕 रामनाथस्वामी मंदिर:
  - अपनी भव्य संरचना, राजसी टावरों, जटिल मूर्तिकला कार्यों और गलियारों के लिए जाना जाता है, जो इसे एक वास्तुशिल्प चमत्कार बनाते हैं।

मंदिर में पूजे जाने वाले मुख्य देवता लिंगम के रूप में हैं, जिसमें नंदी की 17.5 फीट ऊंची विशाल मूर्ति है।
  - यहां पूजे जाने वाले अन्य देवताओं में देवी विशालाक्षी, पर्वतवर्धिनी, भगवान विनायक, भगवान सुब्रह्मण्य, उत्सव मूर्ति, सयानागृह और पेरुमल शामिल हैं।
- 📖 किंवदंती:
  - भारतीय महाकाव्य रामायण से भगवान राम से जुड़ा हुआ, जहां यह माना जाता है कि स्वयं-शिव लिंग, जिसे रामलिंगम के नाम से जाना जाता है, अब रामनाथस्वामी मंदिर में पूजा की जाती है।
  - हनुमान द्वारा कैलाश से लाए गए लिंग को विश्वलिंगम कहा जाता है।
- 🛕श्रीरंगम मंदिर तिरुचिरापल्ली:
  - श्री रंगनाथर को समर्पित हिंदू मंदिर, भगवान विष्णु की पूजा के लिए सबसे महत्वपूर्ण मंदिरों में से एक।
  - रंगनाथस्वामी मंदिर, रंगनाथर मंदिर और श्री रंगनाथ मंदिर के नाम से भी जाना जाता है।
  - विजयनगर काल (1336-1565) के दौरान हिंदू स्थापत्य शैली में निर्मित और श्री वैष्णववाद की थेंकलाई परंपरा का पालन करता है।
- 🌍महत्व:
  - भारत का सबसे बड़ा मंदिर परिसर और दुनिया के सबसे महान धार्मिक परिसरों में से एक।
  - भगवान रंगनाथ का निवास, लेटी हुई मुद्रा में भगवान विष्णु का एक रूप, जिसे नाम पेरुमल और अज़ागिया मनावलन, तमिल में "हमारे भगवान" और "सुंदर दूल्हे" के रूप में भी जाना जाता है।

डिजिटल यूनिवर्सिटी केरल ने पहली बार कैराली एआई चिप पेश की है

- 🧠 कैराली एआई चिप का परिचय:
  - डिजिटल यूनिवर्सिटी केरल द्वारा राज्य की पहली सिलिकॉन-सिद्ध कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चिप - कैराली एआई चिप का अनावरण किया गया।
  - डीन (अकादमिक) एलेक्स पी. जेम्स के नेतृत्व में डिजिटल यूनिवर्सिटी केरल के एआई चिप सेंटर द्वारा डिजाइन किया गया।
- 🚀 मुख्य विशेषताएं और अनुप्रयोग:
  - एज इंटेलिजेंस (एज एआई) अनुप्रयोगों में योगदान करते हुए गति, शक्ति दक्षता और स्केलेबिलिटी प्रदान करता है।
  - अनुप्रयोग कृषि, एयरोस्पेस, मोबाइल फोन, ऑटोमोबाइल, ड्रोन और सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में फैले हुए हैं।
- 🌾 कृषि क्षेत्र क्रांति:
  - फसल स्वास्थ्य, मिट्टी की स्थिति और पर्यावरणीय कारकों की वास्तविक समय की निगरानी के माध्यम से सटीक खेती की सुविधा प्रदान करता है।
  - इसका उद्देश्य संसाधन उपयोग को अनुकूलित करना और फसल की पैदावार बढ़ाना है।
- 📱 मोबाइल फ़ोन उद्योग पर प्रभाव:
  - वास्तविक समय भाषा अनुवाद और एआई-संचालित व्यक्तिगत सहायक जैसी उन्नत सुविधाओं को सक्षम करके मोबाइल फोन उद्योग में दक्षता और प्रदर्शन में सुधार करता है।
- 🛰️ यूएवी और उपग्रहों को बढ़ाना:
  - उन्नत प्रसंस्करण शक्ति, नेविगेशन, डेटा संग्रह और वास्तविक समय निर्णय लेने में सहायता के साथ मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) और उपग्रहों की क्षमताओं को बढ़ाना।
- 🚁 ड्रोन में अनुप्रयोग:
  - ड्रोन के लिए उन्नत नेविगेशन और स्वायत्त निर्णय लेने का वादा किया गया है, जो डिलीवरी सेवाओं से लेकर पर्यावरण निगरानी तक के अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण है।
- 🚗 स्वायत्त वाहनों में क्षमता:
  - संवेदी जानकारी के वास्तविक समय प्रसंस्करण के लिए कंप्यूटिंग शक्ति प्रदान करता है, जो सुरक्षित और कुशल स्वायत्त ड्राइविंग के लिए आवश्यक है।
- 🔒 सुरक्षा और निगरानी के लिए एज कंप्यूटिंग:
  - तेज और कुशल चेहरे की पहचान एल्गोरिदम को सक्षम करता है, सुरक्षा और निगरानी अनुप्रयोगों में खतरे का पता लगाने और वास्तविक समय विश्लेषण का समर्थन करता है।